Statement-IV

The Ceilings of Central Assistance Sanctioned to States for Flood, Snowstrom Cyclone Etc.-During 1981-82 to 1983-84

(Rs. in crores)

S. No.	State	1981-82	1982-83	1983-84
1	2	3	4	5
1.	Andhra Pradesh	0.82	—	96.70
2	Assam	—	9.47	11.07
3.	Bihar	20.74	17.48	—
4.	Gujarat	—	41.94	39.22
5.	Haryana	—	1.75	17.07
6.	Himachal Pradesh	2.41	4.03	8.29
7.	Jammu & Kashmir	0.40	—	1.00
8.	Karnataka	.281	4.42	3.29
9.	Kerala	8.43	0.11	—
10.	Madhya Pradesh	—	2.07	5.69
11.	Maharashtra	—	—	24.68
12.	Manipur	1.60	—	—
13.	Meghalaya	—	0.33	1.90
14.	Nagaland	—	—	0.77
15.	Orissa	0.56	170.52	—
16.	Punjab	—	—	—
17.	Rajasthan	45.06	0.32	8.93
18.	Sikkim	2.22	—	4.40
19.	Tamil Nadu	—	—	41.18
20.	Uttar Pradesh	45.46	67.23	65.79
21.	West Bengal	18.18	7.57	—
22.	Tripura	—	0.56	4.50

कपास के मूल्यों में वृद्धि

2171. **श्री बापू साहिब परुलेकर :**
प्रो. अजित कुमार मेहता :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के विभिन्न क्षेत्रों में कपास की फसल को हानि होने के कारण बाजार में कपास के मूल्यों में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा अब तक क्या कदम उठाए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) और (ख) 1983-84 के दौरान पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में कपास की फसल को अनियमित वर्षा और कीटों के हमले के कारण क्षति हुई थी। गुजरात के कुछ भागों में कपास की फसल पर ओलावृष्टि, शीत लहर और कीटों के हमले के कारण प्रभाव पड़ा। कच्ची कपास के थोक मूल्यों का सूचकांक सितम्बर, 1983 के 219.2 के मासिक औसत से बढ़कर 14 जुलाई, 1984 को 276.3 हो गया।

(ग) कपास की मौजूदा आपूर्ति पर दबाव कम करने की दृष्टि से सरकार ने जनवरी, 1984 से कपास के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया तथा विस्कोस स्टेपल रेशे पर आयात शुल्क यथामूल्य 45 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया।

सागर मत्स्य स्त्रोतों की खोज

2172. **श्री टी. एस. नेगी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सागर मत्स्य स्रोतों की खोज का कार्य करती रहती है;

(ख) यदि हां, तो किन किन स्थानों पर यह खोज कार्य करती रहती है;

(ग) अब तक कितने मत्स्य स्रोतों का पता चला है तथा उनसे कितनी मात्रा में मछली पकड़ी गयी है;

(घ) कितने बड़े और छोटे पत्तनों का विकास किया गया है तथा ये कहां-कहां पर हैं; और

(ङ) उन पत्तनों से प्रतिवर्ष कितनी-कितनी मात्रा में मछली पकड़ी गई है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) जी हां।

(ख) भारतीय मत्स्य सर्वेक्षण, बम्बई द्वारा भारत के एकमात्र आर्थिक क्षेत्र में समुद्री मछली के संसाधनों की खोज की गयी है। भारतीय समुद्री तट सहित 40 फैदम गहराई तक लगभग सम्पूर्ण क्षेत्र का डेमरसल ट्राल द्वारा सर्वेक्षण किया गया है। हाल ही में लांग लिनिंग द्वारा समुद्री टूना, पसेनिंग द्वारा एकमात्र आर्थिक क्षेत्र में समुद्री संसाधनों तथा 40 फैदम से दूर बाटम ट्राल डेमरसल के लिए सर्वेक्षण किया गया है।

(ग) समन्वेषी डेमरसल और मध्य-जल सर्वेक्षण से अनेक नये मत्स्यन क्षेत्रों और संसाधनों का पता चला है। सर्वेक्षण की मुख्य उपलब्धियां ये हैं:—

(1) केरल, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के समुद्री किनारों की झींगा मछली के लिए समृद्ध मत्स्यन क्षेत्र।